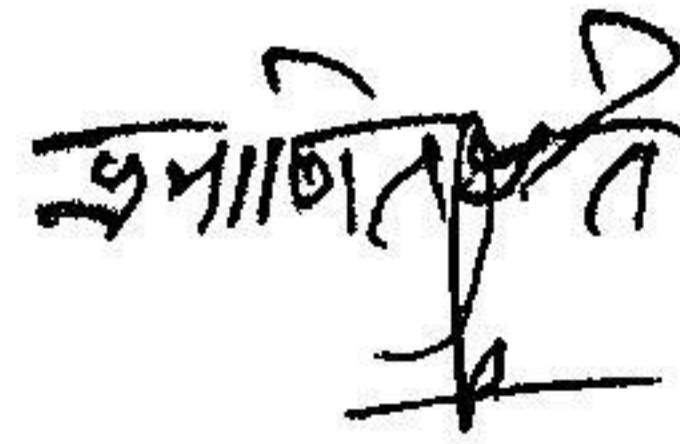


भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या आर० सी० यू० / सड़क / कुमायूँ / 2017

जनपद नैनीताल के विधान सभा क्षेत्र कालाढूंगी
में राज्य योजना के अन्तर्गत कोटाबाग
क्षेत्र (गजारी) पाण्डे गांव में गोल ज्यू मन्दिर
तक सी०सी० मोटर मार्ग के निर्माण हेतु
प्रस्तावित 0.500 किमी० सड़क संरेखन की
भूगर्भीय निरीक्षण आख्या ।



सहायक अभियंता
विभाग सड़क लो० नि० वि०
राजनगर

जनवरी, 2017

जनपद नैनीताल के विधान सभा क्षेत्र कालाढूंगी में राज्य योजना के अन्तर्गत कोटाबागक्षेत्र (गजारी) पाण्डे गांव में गोलज्यू मन्दिर तक सी०सी० मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित लम्बाई 0.500 किमी० सड़क संरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रस्तावना: निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रामनगर के अधीन, गजारी पाण्डे गांव में गोल ज्यू मन्दिर तक सी०सी०मोटर मार्ग का निर्माण करना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रामनगर के द्वारा किये गये अनुरोध पर स्थल निरीक्षण दिनांक 12/01/2017 को ई० बी० सी० भण्डारी, सहायक अभियन्ता एवं ई० डी० के० शर्मा, कनिष्ठ अभियन्ता की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। स्थल का निरीक्षण—स्थल की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय, एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी के अध्ययन हेतु किया गया ताकि प्रस्तावित भू-भाग में मोटर मार्ग हेतु आवश्यक सुझाव दिये जा सकें।
2. स्थिति: प्रस्तावित सड़क संरेखन कालाढूंगी—कोटाबाग—बैलपड़ाव मोटर मार्ग के किमी० 15 पर स्थित पाण्डे गांव से प्रारम्भ होता है एवं किमी० 0.500 किमी० की लम्बाई पर गोलज्यू मन्दिर के पास समाप्त होता है।
3. भूगर्भीय स्थिति: प्रस्तावित सड़क संरेखन, सैन्ट्रल हिमालयन सेक्टर के शिवालिक हिमालय में कूमायूँ क्षेत्र में स्थित है। प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग में शिवालिक श्रृंखला के भावर जोन की डेविस जमा है जो टेरेस का भाग है। स्थल पर इनसीटू चट्टाने दृष्टिगोचर नहीं होती हैं।

उपरोक्त अध्ययन से ज्ञात होता है कि प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग में इनसीटू चट्टाने नहीं हैं तथा यह भू भाग एक टेरेस का भाग है।

4. स्थल वर्णन: प्रस्तावित सड़क संरेखन कालाढूंगी—कोटाबाग—बैलपड़ाव मोटर मार्ग के किमी० 15 पर स्थित पाण्डे गांव से प्रारम्भ होता है एवं किमी० 0.500 किमी० की लम्बाई पर गोलज्यू मन्दिर के पास समाप्त होता है। गुजरता है। यह सड़क संरेखन पहाड़ी के पश्चिमी, तथा दक्षिण पश्चिमी ढलान पर प्रस्तावित है। यह ढलान क्षेत्र सामान्य ढलान की श्रेणी के अन्तर्गत है। सड़क संरेखन का प्रेडिण्ट पहाड़ी ढलान पर 8000—

5/1/18
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड

0.300 किमी० तक 1:20 के राईज, 0.300—0.340 किमी० तक 1:40 के राईज, 0.340—0.390 किमी० तक 1:20 के राईज, 0.390—0.425 किमी० तक 1:40 के राईज तथा 0.425—0.500 किमी० तक 1:20 के राईज में प्रस्तावित है। संरेखण के भाग में 2 हेयर पिन बैण्डस किमी० 0.340 एवं किमी० 0.412 में प्रस्तावित है। इस सड़क संरेखन में नाले विद्यमान नहीं हैं। यह संरेखण निजी नाप भूमि एवं निजी बंजर भूमि पर प्रस्तावित होना प्रतीत होता है। प्रस्तावित सड़क संरेखण के भू-भाग की भूगर्भीय स्ट्रेटीग्राफी इस प्रकार है —

मिट्टी की परत

डेब्रिस

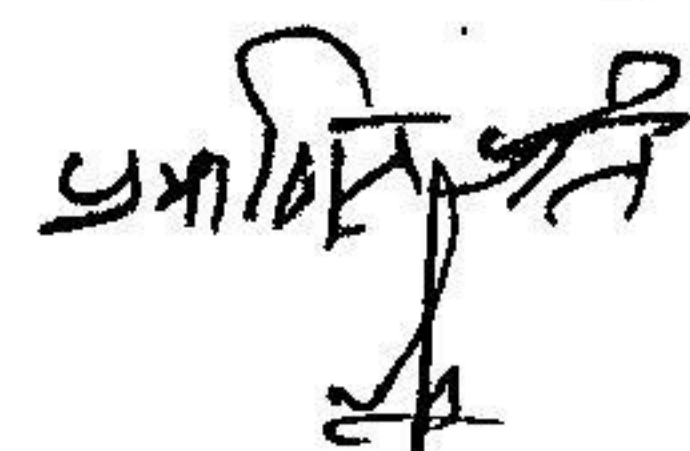
टेरेस का भाग

5. स्थाईत्व का विचार— प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग की संरचना, बनावट, भूगर्भीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी को देखते हुए मोटर मार्ग के स्थाईत्व हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है।

- (1) यह सड़क संरेखन शिवालिक हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में प्रस्तावित है।
- (2) प्रस्तावित संरेखन में नाले नहीं हैं।
- (3) पहाड़ी ढलान सामान्य ढलान श्रेणी के अन्तर्गत है।
- (4) संरेखन का भाग निजी नाप भूमि एवं निजी बंजर भूमि पर प्रस्तावित है।
- (5) भूकम्प की दृष्टि से प्रस्तावित भू-भाग जोन चतुर्थ के अन्तर्गत है।
- (6) सड़क संरेखन का ग्रेडिएन्ट 1:20 के राईज एवं 1:40 के राईज में प्रस्तावित है।
- (7) सड़क संरेखण का कुछ भाग कृषि भूमि के आस पास से भी होकर गुजरता है।
- (8) इस संरेखन का अधिकांश भाग डेब्रिस का है।
- (9) इस सड़क संरेखन में 2 हेयर पिन बैण्डस प्रस्तावित हैं।
- (10) संरेखन के भाग में सी० सी० मोटर मार्ग का निर्माण करना प्रस्तावित है।

6. सुझाव — प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग की संरचना, बनावट, भूगर्भीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी के अध्ययन के उपरान्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं।

- (1) पहाड़ी की ओर नालियों का निर्माण किया जाये।
- (2) भूकम्पीय मानकों के अनुरूप उपाय किये जाये।
- (3) आवश्यकतानुसार ब्रेस्टवाल का निर्माण किया जाये।



सहायक अभियन्ता

निर्माण ढण्ड लो० नि० वि०

शमनगढ़

4. गांव के आस पास मार्ग निर्माण के समय बिस्फोटक सामग्रियों का उपयोग न किया जाय।
5. संरेखन के भाग में सबसे पहले बाल्डर्स, कोबल्स एवं पेबल्स की सहायता से पीचिंग का कार्य किया जाय।
6. पीचिंग के बाद ही 10 सेमी० तथा 15 सेमी० की मोटाई में सी० सी० का कार्य किया जाय।
7. हेयर पिन बैण्ड को मानकों के अनुरूप निर्मित किया जाय।
8. पर्वतीय क्षेत्रों में बनने वाले मोटर मार्गों के निर्माण के लिए निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के मानकों एवं विशिष्टियों का पालन किया जाय।

7. निष्कर्ष: उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित 0.500 किमी० की लम्बाई में कोटाबाग क्षेत्र (गजारी) पाण्डे गांव में गोलज्यू मन्दिर तक सी०सी०मोटर मार्ग का निर्माण करना उपयुक्त प्रतीत होता है।

टिप्पणी : सड़क संरेखन स्थल के निरीक्षण के समय उपरोक्त बिन्दुओं पर सम्बन्धित अधिकारियों से विस्तृत विचार विमर्श किया गया। एक अन्य संरेखन का भी अध्ययन किया गया एवं ग्रामवासियों की असहमति के कारण उपयुक्त नहीं पाया गया।

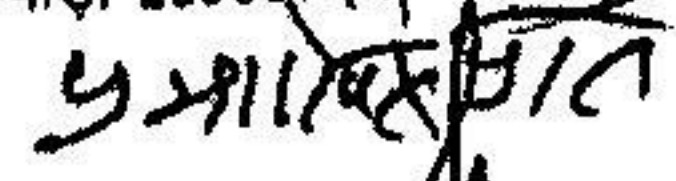

(डा० आर०सी० उपाध्याय)

(डा० आर०सी० उपाध्याय)

भू-सूचना

हिमाचल प्रदेश, रानीधारा टापू

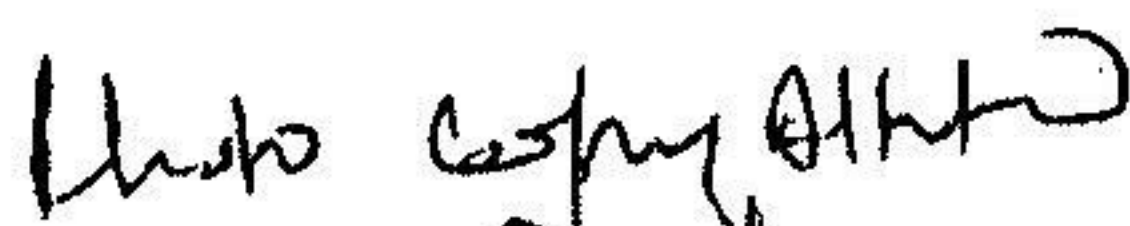
अल्मोड़ा 263601 (जिला मुख्यालय)



महानगर अधिकारी

निर्माण छह लो० नि० वि०

रामनगर





महानगर अधिकारी

निर्माण छह लो० नि० वि०

रामनगर (नैनीताल)